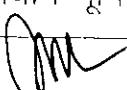


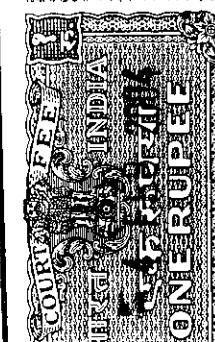
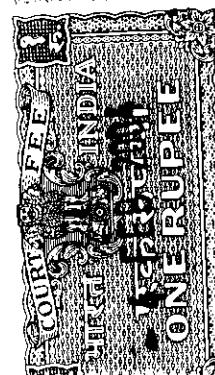
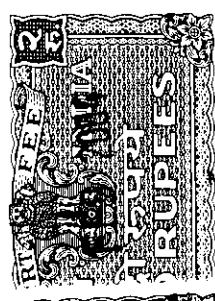
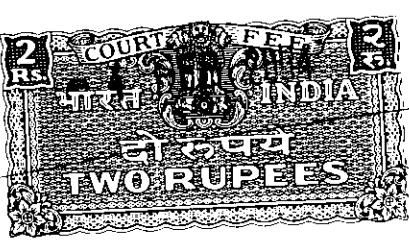
XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक – निग0 353–तीन/04

जिला – मंडला

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	प्रकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
04-8-15	<p>प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी अपर आयुक्त, जबलपुर संभाग, जबलपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 891/अ-19/2000-01 में पारित आदेश दिनांक 18-11-03 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2— प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि ग्राम डाढ़ी के ग्रामवासियों द्वारा कलेक्टर न्यायालय में इस आशय का आवेदन पेश किया गया कि खसरा नं. 307 रकबा 0.24 हैक्टर नायब तहसीलदार, द्वारा आवेदक एवं अन्य को आवंटित किया गया है जो कि आम निस्तारी तालाब है। अतः विवादित भूमि उन्हें निरतार के लिए उपलब्ध कराई जाये। इस आधार पर कलेक्टर ने प्रकरण स्वमेव निगरानी में लेकर आवेदक को सुनकर आदेश दिनांक 9-7-01 को आदेश पारित करते हुए पट्टा निरस्त किया गया। इस आदेश के विरुद्ध आवेदक द्वारा अधीनस्थ न्यायालय में निगरानी पेश की गई जो अपर आयुक्त ने आलोच्य आदेश द्वारा निरस्त की है। अपर आयुक्त के आदेश के विरुद्ध यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है।</p> <p>3— उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया एवं प्रकरण का तथा आलोच्य आदेश का अध्ययन किया गया। अपर आयुक्त ने अपने आदेश में अभिलेख के आधार पर यह पाया है कि प्रश्नाधीन भूमि शासकीय अभिलेख में तालाब दर्ज है और</p>	



समझः - न्यायालय ईमानु राजरव मण्डल अधालयर ५०५००

पुनराक्षणका ३५३/२००४

R - ३५३-३१/०६

...:

याचिकाकार

पुनराक्षणका ३५३/२००४
१६/२००४ विरुद्ध
१६/२००४

प्रत्यर्थीगण

....

भगवानी आहीर आ० बरातू आहीर
आयु लगभग ५५ वर्ष, निवासी
ग्राम-दाढी, पोआ०-भानपुर,
तहसील-छिंड्या, जिला-मण्डल ५०५००

- 1/- मध्य प्रदेश शारन,
- 2/- तरपंच ग्राम पंचायत ५८०-भानपुर
तहसील छिंड्या, जिला मण्डल ५०५००

==:

पुनराक्षण याचिका अंतर्गत धारा ५० म०५०० भू-राजरव सौंदर्त-१९५९

R.M.

अ० १२०६

आलोच्य आदेश

८ मण्डला

न्यायालय ईमानु आतरिका आयुका, खंडपुर टॉरा ५५५१८
प्रक्रि. -१९/३-१९/२००६-०१, पद्धत भगवानी ठिकाण शासन य सक
अन्य में आरित आदेश प्रिन्टे कि १८. ११. २००३, उक्त प्रकरण ईमानु
कोवटर मण्डला द्वारा शिकायत कि - १९/३-१९/९४-९५ में दारित
आदेश प्रिन्टे कि ९. ७. २००१ से क्षुद्र छोकर प्रत्युत करा गया था।
प्रकरण के तथ्य ज्ञानात है।

१११ घट १क, प्रश्नगत कृष्ण शूम, नम दाढी ८० ५०५०५०-११४
गैंगराम खेतर नंबर-३०७, रक्षा १२६६८ शूम रवानी याचिकाकार
व ईमानु फूला बाबू आहीर की है।

१२२ घट १क, प्रश्नगत कृष्ण शूम दूर्दि याचिकाकार व ईमानु फूला
बाबू को संदुत्त रूप में नायक तहसीलदार गवर्नर टॉरा शासकीय घोषना
अंतर्गत याचिकाकार के द्वीर्घ कालीन ऊधपत्थ रुप याचिकाकार व दैरप